आधी आबादी

हर सन्डे वूमेन्स डे

संस्करण – रविवार, 25 जून 2023, अंक – 07

महिला सुरक्षा पर नोएडा पुलिस की नई पहल, 500 'शक्ति दीदी' होंगी नियुक्त

विशेष संपादकीय

गुड लक गर्ल्स

– *दिनेश के सिंह*

पत्रकारिता से लेकर सिनेजगत और टीवी इंडस्ट्री से लेकर कॉर्पोरेटस तक में जिस तरह से आधी आबादी अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही है यह सुखद है। बावजूद इसके जब देश के किसी कोने से महिलाओं के साथ भेदभाव की ख़बर आती है तो मन निराश हो जाता है। आधी आबादी संडे में हम यही प्रयास कर रहे हैं कि महिलाओं के प्रति समाज को कुछ और संवेदनशील बना सकें। आप पाठकों का प्यार और भरोसा हमें अच्छा करने के लिए हमेशा ही प्रेरित करता है। दोस्तों, आज ज़माना बहुत ही तेजी से बदल रहा है और इस बदलते समय में भी अगर हम स्त्री-पुरुष भेदभाव जैसी दकियानूसी बातें लेकर चलें तो यह आधुनिकता के मुंह पर कालिख की तरह है। क्या वजह है कि दिल्ली, एनसीआर में भी भ्रूण हत्या आज भी बदस्तूर जारी है। पिछले अंकों में हमने इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट भी प्रकाशित की थी। जब घर-परिवार की महिलाओं से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश की अर्थव्यवस्था संभाल रही हैं तो ऐसे में भी भी महिलायें आर्थिक रुप से क्यों सक्षम नहीं बन सकी हैं। जाहिर है कि उनकी परवरिश आज भी करियर बनाने के बजाय शादी-विवाह करके दूसरे घर भेज देने के लिए की जाती है। माता-पिता को यह समझना होगा कि बेटियाँ भी रच सकती हैं एक नया आसमान बस जरूरत उन्हें मौके और मजबूती देने की है। बाकी जिस क्षेत्र में महिलाओं को अवसर मिला है उन्होंने अपनी प्रतिभा से बार-बार यह साबित कर दिखाया है कि वो किसी से कम नहीं। आज भारतीय महिला क्रिकेट की धमक भी पूरी दुनिया में सुनाई देने लगी है। कई बिजनेस संस्थान ऐसे हैं जहाँ सब कुछ महिलाओं के जिम्मे है। आज देश जब आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तो हमें मिलकर इस स्वर्णिम समय का लाभ उठाना है। आज अमेरिका तक में जाकर पीएम मोदी महिला सशक्तिकरण की बात कर रहे हैं तो क्या उनको मानने वाले सिर्फ नारे लगाने के लिए उनके नाम का सहारा लेते रहेंगे? हमें यह समझना होगा कि नारों और आलोचनाओं से ही नहीं बल्कि सच्ची नीयत और संकल्प से बदलेगी महिलाओं की ज़िंदगी!

नोएडा पुलिस ने उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के तहत एक आउटरीच पहल के रूप में जिले भर में 500 महिलाओं को 'शक्ति दीदी' के रूप में नियुक्त करने के लिए एक कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस दौरान नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम का दायरा बढ़ाने और प्रत्येक महिला के बीच सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इसे हर घर तक जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि 'शक्ति दीदी' के रूप में नामित की गई महिलाएं, महिलाओं से संबंधित मुद्दों और योजनाओं के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने को पुलिस और नागरिकों के बीच एक पुल के रूप में काम करेंगी और सुरक्षा मुद्दों से संबंधित शिकायतों पर उनका मार्गदर्शन करने की दिशा में भी काम करेगी।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के मुताबिक, "इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर घर महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों और योजनाओं से अवगत हो।" उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति कार्यक्रम केवल नवरात्र के दौरान पैदल गश्त तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे वर्ष महिलाओं के वित्तीय, भावनात्मक और शारीरिक सशक्तिकरण पर केंद्रित है।

नोएडा की एसीपी सौम्या सिंह ने कहा कि शक्ति दीदियों में अलग-अलग पृष्ठभूमि की महिला प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने कहा, "समूह में विभिन्न उच्च-व -वृद्धि वाले समाजों की सक्रिय महिला निवासियों के साथ-साथ क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों की महिला कार्यकर्ता भी शामिल हैं। उनके पास स्थानीय महिला बीट पुलिस अधिकारियों के लिए

▪ हीरेंद्र झा

संपर्क नंबर होंगे और वे अपने संबंधित क्षेत्रों में महिलाओं के मुद्दों को संबोधित करने के लिए वॉट्सऐप ग्रुप्स के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़े रहेंगे।

बता दें कि महिला सुरक्षा विंग ने इस ने साल जिले भर में कारखानों, स्कूलों, कॉलेजों, कार्यालयों, आवासीय क्षेत्रों और मलिन बस्तियों में महिला सुरक्षा, साइबर अपराध जागरूकता, आत्मनिर्भरता और महिलाओं के अधिकारों से संबंधित भारतीय कानूनों पर 50 से अधिक सेमिनार आयोजित किए हैं। निश्चित ही यह एक सराहनीय पहल है जिससे महिलाओं की सुरक्षा और भी पुख्ता हो सकेगी।

इंटरव्यू

खुद पर करो भरोसा, बदलो अपनी दुनिया: रकुल प्रीत

"'यारियां' जैसी सौ करोड़ का बिजनेस करने वाली फिल्म से बॉलीवुड में आई रकुल प्रीत आज एक टॉप एक्ट्रेस बन चुकी हैं। साउथ में कई हिट फिल्में दे चुकीं रकुल 'अय्यारी', 'रनवे 34', 'डॉक्टर जी', 'छत्रीवाली' जैसी फिल्मों में नजर आईं। इन दिनों वे अपनी फिल्म 'आई लव यू' की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने 'आधी आबादी' से एक बातचीत की है। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश-"

सवाल- आपकी फिल्म 'आई लव यू' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। आपने पहली बार आई लव यू किसे कहा था?

रकुल- मैंने तो अपने मम्मी-पापा को कहा था। मुझे याद है, जैसे ही मैंने बोलना सीखा, मैंने अपने माता-पिता को आई लव यू कह डाला।

सवाल- ऐसा कहा जाता है कि मोहब्बत और जंग में सब कुछ जायज है, तो क्या आप भी ऐसा मानती हैं?

रकुल- मुझे लगता है सब कुछ की भी एक लिमिट होनी चाहिए। प्यार में पागलपन, जुनून और उत्तेजना हो सकती है, मगर वो ऑब्सेशन नहीं बनना चाहिए। इंग्लिश में एक कहावत है कि 'यू कैन बी क्रेजी इन लव बट यू कांट गो मैड।' एक पतली सीमा रेखा तो होनी चाहिए। प्यार कंस्ट्रक्टिव होना चाहिए, डिस्ट्रक्टिव नहीं।

सवाल- करियर की बात करें तो आपको किस तरह के रिजेक्शन से गुजरना पड़ा है?

रकुल- मैं भी कई बार नकारी गई हूं। तेलुगू में मैं तीन फिल्मों से रिजेक्ट हुई थी और हिंदी में भी यारियां से पहले मैं कई ऑडिशन से गुजरी हूं और मुझे रिजेक्शन सहना पड़ा। हिंदी में भी ऐसी दो-तीन फिल्में थीं, जब मैं शॉर्टलिस्ट हुई। फिल्म पाने के काफी करीब थी, मगर बात नहीं बनी। आपको पता ही है कि धोनी के लिए भी मुझे फाइनल किया गया था, मगर डेट्स प्रॉब्लम के कारण मैं वो नहीं कर पाई। बाद में मैंने नीरज पांडे के साथ अय्यारी की, तो यह तो इस प्रोफेशन का हिस्सा है। इससे हर कलाकार को गुजरना पड़ता है। मैंने रिजेक्शन को कभी भी अपने सिर पर बोझ नहीं बनने दिया और आगे बढ़ती गई।

सवाल- बॉलीवुड में 'यारियां' जैसी सौ करोड़ की फिल्म देने के बाद आपने साउथ का रुख क्यों कर लिया?

रकुल- मैं आपको बता दूं कि मैंने अपनी पहली साउथ की फिल्म तब की थी, जब मैं मॉडलिंग किया करती थी। तब तक मैं यह भी नहीं जानती थी कि मैं फिल्मों में काम करूंगी या नहीं? मगर उन लोगों ने कहा कि हमने इसकी डेट ऑफ बर्थ देखी है और ये एक दिन बड़ी स्टार बनेगी। उस वक्त तो मैंने महज पॉकेट मनी के लिए यह फिल्म की थी। वो फिल्म जब रिलीज हुई, तब मैं अपने कॉलेज के सेकंड ईयर में थी और उस फिल्म के बाद मुझे बहुत कॉल आने लगे। मैं वहां बिजी हो गई। मुझे लगा जब मुंबई में काम मिलेगा मुझे बुला लिया जाएगा।

सवाल- आप नई लड़कियों को जो इस इंडस्ट्री में आना चाहती हैं उन्हें क्या संदेश देना चाहेंगी?

रकुल- खुद पर भरोसा करो और अपनी दुनिया बदलो!

हलचल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहुंची पेरिस, कई मुद्दों पर की चर्चा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी पेरिस यात्रा के दौरान शुक्रवार को फ्रांस, ब्राजील एवं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के वित्त मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकों में कई आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की। पेरिस में नए वैश्विक वित्तपोषण समझौते पर आयोजित सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचीं सीतारमण ने कई देशों के वित्त मंत्रियों के साथ अलग से बैठकें भी कीं। मंत्रालय के मुताबिक, फ्रांसीसी मंत्री के साथ अपनी मुलाकात में सीतारमण ने बहुपक्षीय विकास बैंकों को सशक्त करने समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की। वहीं ब्राजील के वित्त मंत्री से सीतारमण ने भारत की अध्यक्षता वाले जी20 समूह की तरफ से जारी प्रयासों को लेकर चर्चा की। उन्होंने वर्ष 2024 में जी20 की अध्यक्षता के लिए ब्राजील की दावेदारी को समर्थन भी दिया। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यूएई के मंत्री और सीतारमण के बीच जी20 और जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के बिंदुओं के बीच तालमेल स्थापित करने और विकासशील देशों को प्राथमिकता के बारे में बातचीत हुई।

राहुल बनें दूल्हा, हम बनेंगे बाराती, सोनिया की भी यही है ख्वाहिश- लालू यादव

लोकसभा चुनाव से पहले बिहार में विपक्षी दलों की महाबैठक हुई। इस बैठक में शामिल हुए तमाम नेताओं ने बीजेपी के खिलाफ एकजुट होने पर मंथन किया। बैठक के बाद संयुक्त प्रेसवार्ता हुई। इस दौरान आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने राहुल गांधी को लेकर ऐसा बयान दे दिया जिसकी अब चर्चा हो रही है। दरअसल, लालू यादव ने राहुल गांधी को दाढ़ी ट्रिम करवाने के साथ शादी करने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी दूल्हा बनें हम बाराती बनेंगे। आरजेडी सुप्रीमो ने कहा कि उनकी बात पर सोनिया गांधी ने भी सहमति जताई है। लालू यादव ने कहा- सोनिया जी भी चाहती हैं कि राहुल गांधी शादी कर लें।

योगेश्वर दत्त पर भड़कीं विनेश, जयचंद से की तुलना!

इंडियन ओलंपिक असोसिएशन (आईओए) की एड-हॉक कमिटी ने महिला पहलवानों के कथित यौन शोषण मामले में इंडियन रेसलिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे छह पहलवानों को ट्रायल में छूट देने का फ़ैसला किया था। इनमें साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट, संगीता फोगाट, सत्यव्रत कादियान और जितेंद्र किन्हा शामिल हैं. 5 से 15 अगस्त के बीच ये पहलवान ट्रायल के विजेताओं से भिड़ेंगे। पहलवानों के ट्रायल में छूट दिए जाने को योगेश्वर दत्त ने ग़लत बताया है। योगेश्वर दत्त बीजेपी से जुड़े हैं और हरियाणा से दो बार पार्टी के विधायक बनने का विफल प्रयास कर चुके हैं। योगेशवर दत्त के इस बयान पर प्रदर्शन का हिस्सा रही पहलवान विनेश फोगाट ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विनेश फोगाट ने कहा कि "जब तक कुश्ती में योगेश्वर जैसे जयचंद रहेंगे, यकीनन जालिमों के हौसले बुलंद रहेंगे।" विनेश ने योगेश्वर पर महिला पहलवानों को तोड़ने की कोशिश करने और बृजभूषण सिंह के साथ मिलीभगत करने का भी आरोप लगाया।

हिमाचल, झारखंड व यूपी में मानसून की एंट्री, दिल्लीवासियों को भी जल्द मिलेगी राहत

देश के कई राज्यों में उमस भरी गर्मी की मार झेल रही जनता को अब राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार देश के कई राज्यों में अगले चार दिनों के दौरान भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि मध्यप्रदेश राजस्थान पंजाब गुजरात हरियाणा छत्तीसगढ़ तेलंगाना नगालैंड मणिपुर मिजोरम तटीय आंध्र प्रदेश तटीय कर्नाटक केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। इस बार देश के कई इलाके में जबरदस्त गर्मी पड़ी है और गाँवों में बिजली कटौती के बाद कुछ इलाकों में गर्मी ने कई लोगों की जान तक ले ली है। जाहिर है मानसून की बारिश से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

पीएम मोदी के साथ सेल्फी और ऑटोग्राफ के लिए लग गई अमेरिकी सांसदों की लाइन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक रही। अमेरिकी सांसदों खास कर महिलाओं में भी इस यात्रा का जबरदस्त क्रेज दिखा। पीएम मोदी ने गुरुवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। यहां उन्होंने अपने पूरे भाषण के दौरान कोविड वैक्सीनेशन, महिला सशक्तिकरण, भारत-अमेरिका संबंध, भारत की जी20 अध्यक्षता और आर्थिक विकास जैसे पहलुओं पर विस्तार से बात की। वाशिंगटन में कैपिटल हिल के बाहर से लेकर संसद के अंदर तक मोदी को लेकर लोगों में उत्साह देखा गया। पूरे भाषण के दौरान अमेरिका के सांसदों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए और कई बार खड़े होकर भाषण का स्वागत किया।

विपक्ष की अगुवाई करती दिखीं ममता बनर्जी, क्या पटना बदलेगा दिल्ली की तकदीर?

▪ आधी आबादी डेस्क

बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार (23 जून) को विपक्ष की 17 पार्टियों की महा बैठक हुई। बैठक खत्म होने के बाद सभी दलों के प्रमुखों ने एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि जो कुछ भी पटना से शुरू होता है, वह जन आंदोलन का रूप लेता है। विपक्ष की इस महाबैठक के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, "अगर बीजेपी दोबारा से चुनाव जीत जाती है तो देश में चुनाव नहीं होगा। हम सभी एकजुट हैं और बीजेपी के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे।" बंगाल की सीएम ममता आगे ने कहा कि पटना में जो बैठक हुई है वो अच्छी हुई है। हमने तीन चीजों पर जोर दिया है- हम लोग एक हैं, हम लोग एक साथ लड़ेंगे, अगली बैठक शिमला में होगी। हम एकजुट हैं, हम एकजुट होकर लड़ेंगे। इतिहास यहीं से शुरू हुआ है, बीजेपी चाहती है कि इतिहास बदला जाए और हम चाहते हैं कि बिहार से इतिहास बचाया जाए। हमारा उद्देश्य है इस फासीवादी सरकार के खिलाफ बोलें।

सीएम ममता ने कहा, "बीजेपी चाहती है कि देश का इतिहास बदला जाए, लेकिन हम यह सुनिश्चित करेंगे कि देश के इतिहास को बचाया जाए। हमने तीन चीजों पर संकल्प लिया है- हम एकजुट हैं. हम एकजुट होकर लड़ेंगे और हमें विरोधी मत कहो, हम भी इस देश के नागरिक हैं।" बैठक में दिग्गज हुए शामिल बैठक की एक खास बात यह भी है कि इसमें सभी दलों के प्रमुख शामिल हुए, जो कश्मीर से कन्याकुमारी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व सांसद राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे शामिल हुए। इसके अलावा एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, नेशनल कांफ्रेस के नेता उमर अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता महबूबा मुफ्ती, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी समेत कई दिग्गजों ने बैठक में भाग लिया। पूरे विपक्ष के एक साथ आने से राजनीति में भूचाल सा दिख रहा है। ममता बनर्जी समेट सभी राजनेता इस मौके पर आत्मविश्वास से भरे हुए नज़र आए।

'आम आदमी पार्टी' के विधायक एक युवती के साथ पहुंचे ओयो रूम, जानिए पूरा मामला!

■ आधी आबादी डेस्क

ओयो रूम कई वजहों से सुर्खियों में बना रहता है। ऐसा कहा जाता है कि यहाँ लड़के-लड़कियां मस्ती करने जाया करते हैं। हालांकि कई शहरों में ओयो रूम पर सख्ती भी की गई है। लेकिन, अदालत भी हर किसी को निजता का पूरा अधिकार देती है। बहरहाल, एक बार फिर से ओयो चर्चा में है। ताज़ा मामला एक वायरल वीडियो का है।

जैसा कि हम जानते हैं सोशल मीडिया पर आज कुछ भी वायरल हो सकता है। लेकिन कई बार ऐसे वायरल वीडियो किसी की पोल खोलकर भी रख देते हैं। पोल खोलने वाला ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक शख्स युवती के साथ होटल में दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि जो शख्स युवती के साथ है वो आम आदमी पार्टी का विधायक है, जो विसावदर विधानसभा क्षेत्र से जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। वहीं, उनके साथ जो युवती है वो चेहरा ढंके हुए नजर आ रही है। ये वीडियो इलाके के एक ओयो रूम का बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार वायरल वीडियो सूरत के कडोदरा इलाके का है, जहां इसी महीने के 8 जून को आप विधायक भूपेंद्र भाई उर्फ भूपत भाई भायानी एक युवती के साथ पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि भूपत भायानी ने यहां 800 रुपए चुकाकर एक कमरा लिया था। लेकिन विधायक महोदय होटल के कमरे की ओर जैसे ही जाते हैं एक और शख्स वहां आ पहुंचता है। बताया जा रहा है कि ये शख्स उस युवती का पति था जो भूपत भायानी के साथ ओयो पहुंची थी। फिर क्या कुछ ही देर बार भूपत भायानी मुंह छिपाकर होटल से फरार हो जाते हैं।

सामने आए वीडियो में यह साफ-साफ देखा जा सकता है कि विधायक गेस्ट हाउस के काउंटर पर बैठा शख्स रजिस्टर में एंट्री कर रहा है। विधायक के साथ एक महिला खड़ी है, जिसने अपने चेहरे को दुपट्टे से ढक रखा है। सूत्रों की मानें तो आम आदमी पार्टी के विधायक भूपेंद्र भाई गेस्ट हाउस के कमरे में करीब 50 मिनट तक ठहरे थे। उन्होंने 800 रुपए रूम का किराया भी चुकाया था, लेकिन जैसे ही उनके साथ पहुंची महिला का पति गेस्ट हाउस पर पहुंचा तो विधायक के होश उड़ गए और वह मुंह को रुमाल से ढककर वहां से चुपचाप निकल गए। आम आदमी पार्टी के विधायक भूपेंद्र भाई का ये सीसीटीवी काफी वायरल हो रहा है। इससे गुजरात की राजनीति में हड़कंप मचा हुआ है।

सर्राफा बाज़ार

22 कैरेट सोना	चांदी
₹57,320	₹70,100
प्रति 10 ग्राम	प्रति किलो

'इमरजेंसी' के लिए कंगना ने अपना सबकुछ दांव पर लगाया!

▪ निमिषा दीक्षित

कंगना रनौत की 'इमरजेंसी' के फर्स्ट लुक में उनके दमदार परफॉर्मेंस ने पूरे देश को हैरान कर दिया, जिसमें वे भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में दिखाई दीं। रिवॉल्यूशनरी कंगना रनौत एक और हाई-ऑक्टेन वीडियो यूनिट लेकर आई हैं और उन्होंने अपने निर्देशन में बनी फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज डेट की घोषणा की। यह फिल्म 24 नवंबर 2023 को बड़े परदे पर रिलीज की जाएगी। इस प्रभावशाली अनाउंसमेंट वीडियो में प्रधानमंत्री द्वारा देश भर में इमरजेंसी की घोषणा के 48 साल पूरे होने का भी जिक्र किया गया है। रिलीज डेट के साथ ही कंगना ने एक टीजर भी शेयर किया।

टीजर ने सबसे पहले 25 जून 1975 का वाक्या दिखाया है। देश में इमरजेंसी का ऐलान कर दिया है। चारों ओर गुस्साए लोगों ने दंगे कर दिए हैं। अनुपम खेर सलाखों के पीछे नजर आ रहे हैं। वहीं, उन्हीं की आवाज में एक वॉइसओवर सुनाई देता है, 'भारत के इतिहास की सबसे अंधेरी घड़ी आ चुकी है। सरकार राज अहंकार राज है ये। ये हमारी नहीं, इस देश की मौत है। इस तानाशाही को रोकना होगा।' अंत में इंदिरा गांधी के रोल में कंगना की आवाज आती है, 'मुझे इस देश की रक्षा करने से कोई नहीं रोक सकता।'

जब से प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के रूप में उनका फर्स्ट लुक सामने आया है तब से उनके प्रशंसकों का उत्साह और बढ़ गया है। इतना ही नहीं, उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स और अपने तौर-तरीकों पर भी काफी काम किया है। इमरजेंसी भारत के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण चैप्टर में से एक है, जिसे युवा भारत को समझाने के लिए कंगना ने ये फिल्म बनाई है। कंगना ने इसे लेकर कहा, 'यह एक महत्वपूर्ण कहानी है और मैं इस रचनात्मक यात्रा को एक साथ शुरू करने के लिए प्रतिभाशाली अभिनेता, स्वर्गीय सतीश कौशिक जी, अनुपम जी, श्रेयश, महिमा और मिलिंद की शुक्रगुजार हूं । मैं भारत के इतिहास के इस उल्लेखनीय प्रसंग को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हूं। जयहिंद!'

मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण हुआ है। इसका निर्देशन और निर्माण कंगना रनौत ने किया है। पटकथा रितेश शाह की है। इमरजेंसी में कंगना रानौत भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं नजर आएंगे। 'इमरजेंसी' 24 नवंबर 2023 को रिलीज होने के लिए तैयार है। कंगना ने जाहिर की थी दिल की बात बता दें, कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इमरजेंसी के सेट से तस्वीरें पोस्ट कर के लिखा था, 'मैंने आज एक अभिनेता के रूप में इमरजेंसी की शूटिंग पूरी कर ली। मेरी जिंदगी का सबसे गौरवशाली फेज पूरा हो गया है। ऐसा लग रहा है कि मैंने इसे आराम से पार कर लिया, लेकिन सच्चाई इससे बहुत अलग है।' कंगना ने पोस्ट में आगे बताया कि उन्होंने इस फिल्म को बनाने के लिए अपनी पूरी संपत्ति दांव पर लगा दी है।

साहित्य

पुस्तक समीक्षा: स्त्रियों की कथा-व्यथाओं, विचित्रता-विविधताओं और उनके स्वभावों की कहानियां

▪ ममता जयंत

'सहेलियां और अन्य कहानियां' पुस्तक की बारह कहानियों में अधिकतर कहानियां स्त्रियों की कथा-व्यथाओं, विचित्रता-विविधताओं और उनके स्वभावों पर आधारित हैं। कहानियों में स्त्रियों की प्रकृति और प्रवृत्ति उन्हें रोचक, प्रेरक व संग्रहणीय बनाती है। बतौर कथाकार वे लिखते हैं- "इन तमाम वर्षों में अच्छा-बुरा जो हुआ, उनमें एक बात स्त्री-स्वातंत्र्य के प्रति पैदा हुई नई चेतना है। स्त्रीत्व के प्रति विकसित हुई एक नई संवेदनशीलता है। हमारे समय की लड़कियां बदली हुई हैं, उनकी चुनौतियां भी। इस बदलाव की छाया इस संग्रह की बहुत सारी कहानियों में है।"

बदलाव की छाया में लिखी गई ये कहानियां किन्हीं सायास प्रयासों से नहीं लेखक के अनायास अनुभवों से उपजी कहानियां है। संग्रह की पहली कहानी 'भूल गई थी अम्मा' जहां अतीत और वर्तमान के बीच चल रहे स्त्री मन के द्वंद्व को सामने लाती है वहीं संचार क्रांति के चलते बदलते भारत की तस्वीर भी पेश करती है। जिसमें अम्मा के दौड़ने से ठहरने तक की यात्रा है। जो सिर्फ उस स्मार्टफोन को मालूम है, जिसने उसे सिरे से पहचाना है। कहानी में कथाकार ने अट्ठारह साल की लड़की और अड़तालीस वर्ष की औरत के अन्तर्द्वन्द को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया है। इतना ही नहीं कहानी घर, परिवार, समाज की बहुत सारी परतों को खोलती चलती है।

प्रियदर्शन की कहानियां न सिर्फ समय-समाज से रूबरू कराती हैं बल्कि मनुष्य होने का ढंग भी सिखाती हैं। संग्रह में शामिल 'जब कहानी मिलती है', 'लाश' और 'चीख' आत्मकथात्मक शैली में लिखी गईं ऐसी ही कहानियां हैं जो पढ़ते हुए कथाकार के आत्मावलोकन का आभास देती हैं। जिनमें एक साधन सम्पन्न व्यक्ति है जो जागरूक होते हुए भी अपनी रोज़मर्रा की आपाधापी के चलते जिम्मेदारियों से विमुख रह जाता है और कुछ न कर पाने का यह अपराध बोध उसे खाए जाता है। यह जीवन की बढ़ती खींचतान के बीच वेदना और मूल्यों को बराबरी पर रखती वे कहानियां हैं जिनमें कथाकार बने रहकर भी विलग है। इन कहानियों में जहां दौर की विडम्बना है तनाव, यातना और भय है वहीं कहानीकार ने संभावना, विश्वास और संवेदनाओं के बिम्ब रचे हैं। एक कथाकार के रूप में प्रियदर्शन की रचनात्मकता हर बार नए सिरे से प्रकट होती है। उनकी वैचारिक दृष्टि का प्रभाव इन कहानियों पर साफ नजर आता है। यह समय की विडंबना को दर्ज करती शुद्ध कहानियां हैं।

संग्रह की शीर्षक कहानी 'सहेलियां' न सिर्फ सोनाली और सुजाता की कहानी है बल्कि उन तमाम स्त्रियों की कहानी है जो बहुत कुछ खोने के बाद बहुत कुछ पाने की कवायद करती हैं। बावजूद इसके अपने हिस्से की लड़ाई लड़ना नहीं भूलतीं। कहानी जहां स्त्रियों की सामान्य प्रवृत्ति को सामने लाती है वहीं सामाजिक संरचना को भी उजागर करती है।

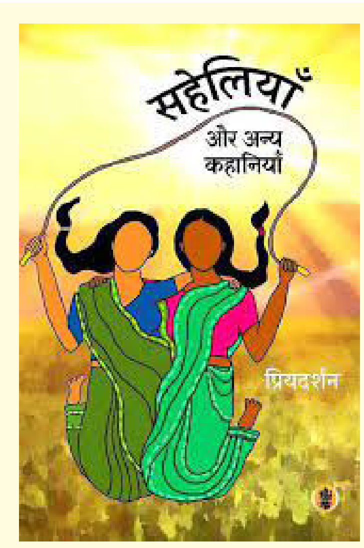

पुस्तकः सहेलियां और अन्य कहानियां
लेखकः प्रियदर्शन
प्रकाशकः राधाकृष्ण प्रकाशन
मूल्यः 199 रुपये

प्रबंध संपादक: दिनेश के सिंह ❁ संपादक: हीरेन्द्र झा-निमिषा दीक्षित ❁ सलाहकार संपादक: चारुल मल्लिक, राजेश शर्मा, गीता सिंह ❁ डिज़ाइनर: मो. हसमतुल्लाह अंसारी

RNI-DELHIN/2013/51353